

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मसीह का उद्धार कार्य, सत्र 17, मसीह के कार्य के 6 चित्र, भाग 3, मसीह हमारा विजेता और दूसरा आदम

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा मसीह के उद्धार कार्यों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 17 है, मसीह के कार्य के चित्र, भाग 3, मसीह हमारे विजेता और दूसरा आदम।

हम बाइबल के उन चित्रों का अध्ययन कर रहे हैं जिन्हें परमेश्वर ने अपने अनुग्रह में हमारे लिए चित्रित किया है, या रूपकों को बदलने के लिए, संगीतमय विषय, यदि आप चाहें, जो व्याख्या करते हैं कि यीशु ने हमारे लिए क्या किया।

क्योंकि जैसे-जैसे बाइबल की कहानी नए नियम में आगे बढ़ती है, परमेश्वर पुत्र मनुष्य बन जाता है। हमने पहले उसके अवतार, पाप रहित जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान, स्वर्गारोहण, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठने, उसके सत्र, कलीसिया पर आत्मा उंडेलने, उसकी मध्यस्थता और दूसरे आगमन के बारे में सोचा है। ये सभी उसके उद्धारक कार्य हैं।

बेशक, सबसे ज़रूरी बात उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान है। लेकिन घटनाएँ खुद-ब-खुद व्याख्या नहीं करती हैं, और इसलिए परमेश्वर न केवल अपने बेटे के ज़रिए इतिहास में काम करता है, बल्कि अपनी आत्मा के ज़रिए वह नए नियम के प्रेरितों का इस्तेमाल करके यीशु के उद्धार कार्यों की व्याख्या करता है, या एकता के तौर पर देखा जाए तो उसके उद्धार कार्य की व्याख्या करता है। हमने इनमें से कुछ बाइबलीय चित्रों की जाँच की है।

हमने मेलमिलाप के बारे में सोचा, जहाँ यीशु शांतिदूत है जो परमेश्वर और हमारे बीच शांति स्थापित करता है, और परमेश्वर और हमारे बीच एक प्रतिवर्ती क्रिया द्वारा ताकि उसके प्रति शत्रुतापूर्ण होने के बजाय, हम उसके मित्र बन जाएँ। और वहाँ शांति है; हम परमेश्वर के साथ शांति रखते हैं, वस्तुनिष्ठ रूप से, जो निश्चित रूप से हमारे दिलों में शांति में बदल जाती है। हमने छुटकारे के बारे में सोचा, कैसे मसीह में परमेश्वर ने पाप के दासों को, अर्थात् हम विश्वासियों को मुक्त किया ताकि अब हम ईसाई स्वतंत्रता का आनंद लें, जबकि पहले, हम अपराधों और पापों में बंधे हुए थे।

यह हमारे उद्धारक का कार्य है। फिर, हमने जांच की कि आखिर में, मैं जो कहने जा रहा हूँ वह सबसे महत्वपूर्ण विषय है। जब मैंने ये बातें सिखाईं तो मैंने ऐसा करना शुरू नहीं किया था।

मैंने कहा, देखिए, बलिदान और दंडात्मक प्रतिस्थापन से कहीं ज़्यादा है। मैंने इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी में शोधपत्र पढ़ते हुए भी, सालों तक अन्य चार विषयों की खोज की। इसलिए इस निष्कर्ष पर पहुंचना मुश्किल है।

प्रतिस्थापन तब होता है जब यीशु अपने लोगों के स्थान पर मर जाता है, कानून की माँगों को पूरा करता है और परमेश्वर के अपने नैतिक चरित्र, विशेष रूप से उसकी पवित्रता और न्याय को सही साबित करता है। मैं अंत में तर्क देने जा रहा हूँ कि यह सभी छह विषयों में सबसे महत्वपूर्ण है। हमें सभी छह की आवश्यकता है।

दरअसल, बाइबल इससे भी ज़्यादा कहती है। लेकिन ये बड़ी बातें हैं, और हमें इन सबकी ज़रूरत है। लेकिन हमने मेल-मिलाप, मुक्ति और प्रतिस्थापन पर विचार किया है।

अब व्याख्यानों में, हम मसीह हमारे विजेता, मसीह दूसरे आदम, जिनकी आज्ञाकारिता आदम की अवज्ञा को पलट देती है, और मसीह हमारे बलिदान और महान महायाजक के बारे में सोचना चाहते हैं। मसीह हमारे विजेता। तकनीकी धर्मशास्त्रीय शब्द का उपयोग करें, तो गुस्ताव एलेन की महाकाव्य-निर्माण पुस्तक से, क्राइस्टस विक्टर।

मैंने पहले ही इसका मूल्यांकन कर लिया है, जिसमें इसकी त्रुटियों के लिए इसकी आलोचना भी शामिल है। उन्होंने विजय विषय को न केवल चर्च के इतिहास में प्रमुख विषय बनाने की कोशिश की, बल्कि इरेनियस और मार्टिन लूथर जैसे व्यक्तियों में भी एकमात्र विषय बनाने की कोशिश की, और यह सच नहीं है। जैसा कि मैंने पहले कहा, लूथर के पास कई चित्र और विषय हैं, लेकिन दो प्रमुख हैं, जो वर्चस्व के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं यदि आप इस तरह से बात कर सकते हैं, तो लूथर में दंड प्रतिस्थापन और क्राइस्टस विजेता हैं।

ऐसा माना जाता है कि आइरेनियस अधिक शामिल है, और वास्तव में, यदि आपको एक बात कहनी हो, तो आप कहेंगे पुनरावृत्ति, जो मेरे दूसरे एडम नए निर्माण विषय के सबसे करीब है। क्राइस्टस विक्टर भाषा पूरे बाइबल में है, ठीक है? हमारे पास इन सभी अंशों को देखने का समय नहीं है, लेकिन उत्पत्ति 3:15, छुटकारे का पहला उल्लेख, निर्गमन 15:1 से 21, 1 शमूएल 17, भजन 110, यिर्म्याह 21, दानियेल 7, मत्ती 4, मरकुस 1, लूका 4, यूहन्ना 12, 13, 14, 16, प्रेरितों के काम 10, प्रेरितों के काम 26, कुलुस्सियों 1:13, 14, कुलुस्सियों 2:14, और 15, इब्रानियों 1:13, और 2:14, और 15

यह ईश्वर और उसके शत्रुओं के बीच एक योद्धा विषय है। पुराने नियम में, यह चित्र ईश्वरीय युद्ध धर्मशास्त्र के रूप में प्रकट होता है, जो पुराने नियम के साहित्य में एक स्वीकृत विषय है, और नए नियम में, ईश्वरीय योद्धा हम में से एक बन जाता है, और ईश्वरीय योद्धा क्राइस्टस विजेता, क्राइस्ट हमारा चैंपियन है। यह एक सुंदर बात है।

यह तुरंत मसीह के ईश्वरत्व को दर्शाता है, और वास्तव में, गुस्ताफ औलेन, उदार नैतिक प्रभाव धर्मशास्त्र और वास्तव में कट्टरपंथी दंड प्रतिस्थापन धर्मशास्त्र के बीच मीडिया के माध्यम से एक मध्य स्थान बनाने की कोशिश कर रहा है। यदि यह संभव है, तो उसने अपने क्राइस्टस विक्टर रूपांकन में मसीह के ईश्वरत्व पर अत्यधिक जोर दिया, लेकिन मसीह ईश्वर का दिव्य पुत्र है जो मरियम के माध्यम से ईश्वर का दिव्य-मानव पुत्र बन जाता है, और वह नए नियम में विजेता है, जो पुराने नियम में योद्धा ईश्वर, याहवे योद्धा का स्थान लेता है। पुराने नियम की पृष्ठभूमि में

प्रोटोइवेंजेलियम, उत्पत्ति 3:15 का इवेंजेलियम, छुटकारे का पहला वादा और मूसा और मरियम के गीत शामिल हैं।

वे योद्धा यहोवा की स्तुति करते हैं। अब, यह परमेश्वर की एक तस्वीर है। यह परमेश्वर की एकमात्र तस्वीर या प्रमुख तस्वीर नहीं है, लेकिन यह बाइबल की शिक्षाओं को ध्यान में रखने वाली तस्वीर है।

व्यवस्थित धर्मशास्त्र के मेरे वफ़ादार प्रोफेसर, रॉबर्ट जे. डनज़वीलर, हमें पढ़ाते थे। मैं तब एक युवा पॉलीवॉग था, लेकिन मैंने बाइबल की शिक्षा को ध्यान में रखा। हमें पूरी बाइबल को ध्यान में रखना चाहिए।

तो, एक योद्धा के रूप में यहोवा इस तस्वीर का हिस्सा है, लेकिन यहोवा चरवाहा, माली, न्यायाधीश और उद्धारकर्ता है, और अकेले पुराने नियम में बहुत सी बातें हैं। डेविड और गोलियत। यह मुख्य रूप से आपके गोलियत, आपके जीवन की समस्याओं को कैसे हराया जाए, इसका उदाहरण नहीं है।

दाऊद कहता है, यह यहोवा है जो इन दुष्ट पलिशियों के खिलाफ युद्ध कर रहा है जो जीवित परमेश्वर की सेनाओं को धमकाने की हिम्मत करते हैं। वाह। तुम तलवार और ढाल लेकर मेरे पास आए, और वे बहुत शक्तिशाली थे।

दाऊद तो उन्हें उठा भी नहीं पाया, मुश्किल से उठा पाया। उसके बाद गोलियत का सिर काटने के लिए दो हाथों की ज़रूरत पड़ी, लेकिन मैं जीवित परमेश्वर के नाम पर आपके पास आया हूँ। पुराने नियम में मुख्य पात्र बेशक परमेश्वर है।

दाऊद के प्रभु के विषय में भविष्यवाणियाँ, भजन 110, में युद्ध और विजय शामिल है, क्योंकि परमेश्वर दाऊद के प्रभु के लिए लड़ता है, बेबीलोन का निर्वासन, यिर्मयाह 21:3 से 7, और दानियेल 7:13 और 14 का मनुष्य का दिव्य पुत्र। परिभाषा। मसीह, हमारा विजेता, पुराने नियम के दिव्य योद्धा, यहोवा के अवतार के रूप में यीशु का नया नियम चित्र है।

परमेश्वर का शक्तिशाली पुत्र, जो मनुष्य बन गया, उन शत्रुओं को पराजित करता है जो हमसे कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। वह ऐसा कैसे करता है? आप उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से इसका उत्तर जानते हैं। क्राइस्टस विक्टर के रूप में उसका कार्य हमें अभी आंशिक विजय, वास्तविक लेकिन आंशिक विजय, और हमारे पुनरुत्थान और नए स्वर्ग और नई पृथ्वी में पूर्ण मुक्ति प्रदान करता है।

ज़रूरत। मानवजाति को मसीह की ज़रूरत है, जो हमारे चैंपियन हैं। इसमें हमारे खिलाफ़ खड़े कई भयानक दुश्मन शामिल हैं। इनमें शैतान, राक्षस और दुनिया शामिल हैं।

हमें योग्य होने की आवश्यकता है, हमें परमेश्वर की सुंदर रचना के रूप में नहीं बल्कि परमेश्वर और उसके लोगों के विरुद्ध स्थापित व्यवस्था के रूप में देखा जाना चाहिए। नया नियम संसार शब्द का प्रयोग इसी अर्थ में करता है। मानवीय शत्रु, मृत्यु और नरक।

ये हमारे दुश्मन हैं, बहुत ज़्यादा शक्तिशाली। क्या कोई मौत को हरा सकता है? मुझे नहीं लगता। अरे हाँ, एक आदमी कर सकता है, लेकिन वह एक साधारण इंसान नहीं है; वह ईश्वर-मनुष्य है, और उसके पास मौत और कब्र की कुंजियाँ हैं, वह रहस्योद्घाटन की पुस्तक में कहता है क्योंकि उसने हमारे विजेता के रूप में इसे हराया था।

हर एक मकसद में पहल करने वाला, पहल करने वाला, बेशक, खुद भगवान है। भगवान अपने और हमारे दुश्मनों को हराने के लिए पहल करते हैं। वह पुराने नियम में ईश्वरीय योद्धा यहोवा के रूप में और नए नियम में हमारे विजेता मसीह के रूप में प्रकट होते हैं।

पिता, 1 कुरिन्थियों 15:57, कुलुस्सियों 1:13, 14, कुलुस्सियों 2:14, 15, इब्रानियों 1:13, पुत्र, प्रेरितों के काम 11:38, इब्रानियों 2:14, 15, 1 यूहन्ना 3:8, प्रकाशितवाक्य 17:14, और 19:11 से 16, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा, मत्ती 12:28, प्रेरितों के काम 10:37, 38, सभी भूमिका निभाते हैं, लेकिन ध्यान, निश्चित रूप से, मसीह, हमारे विजेता, और उनके अवतार, मृत्यु, पुनरुत्थान, स्वर्गारोहण, सत्र और वापसी पर है। मध्यस्थ, शैतान और ईश्वर के बीच संघर्ष के परिप्रेक्ष्य से देखा जाए, तो मध्यस्थ मसीह यीशु है, उद्धारण, प्रभुओं का प्रभु और राजाओं का राजा, उद्धारण बंद करें, प्रकाशितवाक्य 17:14, 19, 16, हमारे शक्तिशाली चैंपियन, क्राइस्टस विक्टर, कार्य। क्राइस्टस विक्टर के कार्यों में उसका अवतार शामिल है, इब्रानियों 2:14; वह मांस और रक्त का मनुष्य बन गया; उसने अपने बच्चों और साथी मनुष्यों की तरह मांस और रक्त ग्रहण किया, ताकि मृत्यु के द्वारा वह उसको पराजित कर सके जिसके पास मृत्यु की शक्ति है, अर्थात् शैतान को।

उनकी सांसारिक सेवकाई क्राइस्टस विक्टर के धर्मशास्त्र का हिस्सा है, जिसमें शैतान के प्रलोभनों और भूत-प्रेतों के सफल धीरज को शामिल किया गया है। क्या आप समय से पहले हमें पीड़ा देने आए हैं, परमेश्वर के पवित्र पुत्र? हाँ, थोड़ा सा, लेकिन आपके राक्षसों ने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है। जब मेमना अपने क्रोध को प्रकट करता है, रूपकों को मिलाने की बात करते हुए, प्रकाशितवाक्य मसीह को मेमने के रूप में प्रस्तुत करता है; प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में उस शब्द का हर उपयोग मसीह की बात करता है। एक बार जब इसे उपमा के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, तो समुद्र से निकलने वाले जानवर के सींग मेमने जैसे होते हैं, अन्यथा हमेशा मसीह के लिए एक प्रतीक होता है, और आमतौर पर अपने लोगों को छुड़ाने के लिए अपना खून बहाता है, लेकिन कम से कम एक बार यह मेमने के क्रोध की बात करता है।

अपने बेटे को भेजने में परमेश्वर का इरादा न्याय करने या निंदा करने का नहीं, बल्कि बचाने का था। वह मेमना है, लेकिन उन लोगों के लिए हाथ जो मेमने का विरोध करते हैं, क्योंकि मेमना न्यायी है, और जो लोग उसे अस्वीकार करते हैं, उनके लिए उसका क्रोध है। क्राइस्टस विक्टर के काम में उसका अवतार और उसकी सांसारिक सेवकाई शामिल है, जिसमें शैतान के प्रलोभनों को सफलतापूर्वक सहना और राक्षसों को बाहर निकालना, विशेष रूप से उसकी मृत्यु शामिल है।

यूहन्ना 12:31 से 33, कुलुस्सियों 2:14, 15, इब्रानियों 2:14, 15, प्रकाशितवाक्य 12:11, और उसका पुनरुत्थान, निश्चित रूप से, उसकी जीत का हिस्सा है। 1 कुरिन्थियों 15:4, 1 कुरिन्थियों

15:54 से 57, जहाँ पौलुस, होशे का उपयोग करते हुए, मृत्यु का मज़ाक उड़ाता है। हे मृत्यु, तेरा डंक कहाँ है? हमारा उद्धारकर्ता जीवित है, और तुम पराजित हो, मृत्यु को मूर्त रूप दे रहे हो और उससे अपोस्ट्रोफी नामक अलंकार में बात कर रहे हो।

इफिसियों 1:19 से 22, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर उसका चढ़ना उसकी जीत का हिस्सा है। इफिसियों 1:19 से 22, 1 पतरस 3:21 से 22, उसका सत्र परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा है। वह पिता के साथ सह-शासक और विजेता के रूप में बैठता है।

प्रकाशितवाक्य 3:21, और उसकी वापसी, प्रकाशितवाक्य 19:11 से 16 में दर्ज है, जो उसके और हमारे शत्रुओं पर एक शक्तिशाली विजय के रूप में है। हमारे विजेता, मसीह के कार्य के वर्तमान और भविष्य के परिणाम। यीशु, हमारे शक्तिशाली विजेता, ने अब एक महान विजय प्राप्त की है और भविष्य में और भी बड़ी जीत हासिल करेंगे।

अब, उसकी विजय के कारण, विश्वासी उसके प्रेम में सुरक्षित हैं, रोमियों 8:38, 39, मसीह के पुनरुत्थान और सत्र में प्रदर्शित परमेश्वर की शक्तिशाली शक्ति तक पहुँच है, इफिसियों 1:20 और 21, और उन्हें दुष्ट से डरने की ज़रूरत नहीं है। 1 यूहन्ना 4:4, जो तुम में है वह उससे बड़ा है जो संसार में है। अपनी वापसी पर, वह अपने और हमारे शत्रुओं को पूरी तरह से परास्त कर देगा, प्रकाशितवाक्य 19:11 से 16, जिसमें मृत्यु भी शामिल है, उद्धारण, क्योंकि उसे तब तक शासन करना चाहिए जब तक कि वह अपने सभी शत्रुओं को अपने पैरों तले न कर दे।

नष्ट किया जाने वाला अंतिम शत्रु मृत्यु है, निकट उद्धारण, 1 कुरिन्थियों 15:25, 26। परिणामस्वरूप, उसके लोग मृतकों में से जीवित किये जायेंगे और मृत्यु का उपहास करेंगे, 1 कुरिन्थियों 15:54 से 57। उसके उद्धारक कार्य के कारण, उद्धारण, सृष्टि स्वयं भ्रष्टाचार के बंधन से मुक्त हो जायेगी और परमेश्वर की सन्तानों की महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी, रोमियों 8:21।

अन्य सिद्धांतों से संबंध, और मुझे यह कई सालों तक नहीं पता था, लेकिन मैं कहूँगा कि पिछले 10 सालों में मैंने इसे सीखा है। मेरी वर्तमान आदर्श आयु 72 पर समय का मेरा अनुमान थोड़ा अस्थिर है, इसलिए जब मैं 10 कहता हूँ, तो यह संभवतः पिछले 15 साल है। यह इसी तरह काम करता है। यह महत्वपूर्ण है कि कुलुस्सियों 2:14, 15 में, क्राइस्टस विक्टर थीम पर मुख्य पॉलिन पाठ, और एकमात्र स्थान जहाँ वह बताता है कि मसीह कैसे जीतता है, विषय दंडात्मक प्रतिस्थापन के अधीन है।

आकर्षक। दूसरे शब्दों में, क्राइस्टस विक्टर को दंडात्मक प्रतिस्थापन की व्याख्यात्मक शक्ति की आवश्यकता है, इसी तरह परमेश्वर मसीह में हमारे शत्रुओं को पराजित करता है। दायरा, जैसा कि मसीह के उद्धारक कार्यों के अन्य चित्रों के बारे में सच था, क्राइस्टस विक्टर विश्वासियों, चर्च और पूरी सृष्टि से संबंधित है।

क्या मैं यहाँ एक पैटर्न महसूस कर रहा हूँ? हाँ। ग्राहम कोल ने इसे खूबसूरती से कहा है, उद्धारण, शास्त्र स्पष्ट रूप से हमें प्राणियों के रूप में संबोधित करते हैं। पॉल ने अपने पत्र स्वर्गदूतों, प्रधानों और शक्तियों को नहीं लिखे।

परिणामस्वरूप, हम व्यापक कैनवास को भूल सकते हैं। यदि हम बड़ी तस्वीर को भूल जाते हैं, तो हम तस्वीर को छोटा कर सकते हैं और इसे उसके वास्तविक आकार से छोटा कर सकते हैं। फिर भी, नया नियम इस बात को प्रकट करने के लिए समय-समय पर पर्दा हटाता है कि परमेश्वर के पास एक ब्रह्मांडीय बिंदु है।

पौलुस इफिसियों को लिखता है कि उसका इरादा यह था कि अब, कलीसिया के माध्यम से, परमेश्वर की विविध बुद्धि स्वर्गीय क्षेत्रों में शासकों और अधिकारियों को ज्ञात की जानी चाहिए, उसके शाश्वत उद्देश्य के अनुसार, जिसे उसने हमारे प्रभु मसीह यीशु में पूरा किया। उसमें, और उस पर विश्वास के माध्यम से, हम स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ परमेश्वर के पास आ सकते हैं। हमारा अगला विषय मसीह दूसरे आदम के रूप में है, लेकिन मैं कुछ पाठों को देखना चाहूँगा।

कुलुस्सियों 2 एक अद्भुत अध्याय है। यह पॉल में क्राइस्टस विक्टर का मुख्य अंश है, और यह प्रभावशाली है। पॉल ने मसीह में परमेश्वर के कार्य की प्रशंसा करने के लिए, अन्य स्थानों की तरह, एक विजयी मार्च की कल्पना का उपयोग किया है।

क्राइस्टोलॉजी के अंतर्गत परिचय में मेरी बहुत पहले की टिप्पणी को याद करें कि व्यवस्थित धर्मशास्त्र उन चीज़ों को अलग कर देता है जिन्हें परमेश्वर जोड़ता है, और हालाँकि समझने के लिए, मैं इन सभी चीज़ों को अपने दिमाग में बिना किसी तरह के क्रम और पैटर्न के साथ काम करते हुए कभी नहीं रख सकता था, लेकिन एक बार में पूरे क्राइस्टोलॉजी में ऐसा करने के बारे में सोचना, यह बस, यह बहुत ज़्यादा भारी है। तो, लेकिन फिर भी, व्यवस्थित धर्मशास्त्र की कृत्रिमता से बचने के लिए, हम चीज़ों को वापस एक साथ जोड़ते हैं। और यहाँ, और जैसा कि मैंने नए नियम में प्रमुख प्रायश्चित अंशों में कहा, हम मसीह के व्यक्तित्व को वहीं, बिल्कुल कोने के आसपास पाते हैं।

खैर, यहाँ वह है, कुलुस्सियों 2:9, उसमें, मसीह में, ईश्वरत्व की पूरी परिपूर्णता शारीरिक रूप से निवास करती है। यह कहने से अलग है कि ईसाई पवित्र आत्मा द्वारा निवास करते हैं, जो हम हैं, और पवित्र आत्मा ईश्वर है। यह कहना है कि ईश्वर मसीह में शारीरिक रूप में रहता है।

दूसरे शब्दों में, जब आप यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले की तरह उसकी ओर इशारा करते हैं, तो देखिए परमेश्वर का मेम्ब्रा जो दुनिया का पाप उठा ले जाता है। उस समय यूहन्ना को पूरी तरह समझ भी नहीं आया था, लेकिन वह परमेश्वर के शरीर की ओर इशारा कर रहा था। एक मिनट रुकिए, परमेश्वर के शरीर की ओर।

ईश्वर एक आत्मा है। ईश्वर के पास शरीर नहीं है। स्वर्ग में ईश्वर के पास शरीर नहीं है, लेकिन अवतार का मुद्दा यह है कि त्रिदेव के दूसरे व्यक्ति ने न केवल शरीर धारण किया बल्कि शरीर और आत्मा के साथ एक मानव बन गया, और इसलिए इस मनुष्य में अद्वितीय रूप से, ईश्वरत्व की पूर्णता शारीरिक रूप में रहती है।

दूसरे शब्दों में, नासरत का यीशु ईश्वर का अवतार है, और कुलुस्सियों के पाखंड के विपरीत, जिसके बारे में केवल ईश्वर ही निश्चित रूप से जानता है कि यह क्या है, लेकिन यह यहूदी धर्म और गूढ़ज्ञानवादी तत्वों को मिलाकर एक पाखंड था, आप उसमें भर गए हैं जो सभी नियमों और अधिकारों का प्रमुख है। उन्हें किसी और चीज़ की ज़रूरत नहीं है। माफ़ करें, फिर से थोड़ी कार्टूनिस्ट की परेशानी।

मसीह का होना। मसीह ने उनसे प्रेम किया और उनके बाहर उनके लिए खुद को दे दिया, और परमेश्वर की आत्मा द्वारा उन्हें मसीह से जोड़ने के कार्य द्वारा, मसीह केवल उनके लिए ही नहीं है, वह उनमें मसीह है, और उनके पास अनन्त जीवन और ईश्वरीयता के लिए आवश्यक सब कुछ है जैसा कि पतरस ने 2 पतरस अध्याय 1 में आरंभ में प्रतिध्वनित किया है। पौलुस कुलुस्सियों की दो आवश्यकताओं का सारांश देता है, और आप, कुलुस्सियों 2 की आयत 13, जो अपने अपराधों और अपने शरीर की खतनारहित अवस्था में मरे हुए थे, परमेश्वर ने मसीह के साथ मिलकर बनाया है, उसके साथ जीवित किया है।

उनके सामने दो समस्याएँ थीं। एक है आध्यात्मिक मृत्यु। उनका पुनर्जन्म नहीं हुआ था, ठीक है? वे अपने अपराधों और पापों में मरे हुए थे।

तुम, जो अपने अपराधों में मरे हुए थे, और दूसरी बात, उनका शरीर खतनारहित था। वह इसे प्रतीकात्मक तरीके से इस्तेमाल कर रहा है क्योंकि कुलुस्सियों में संबोधित करने वाले मुख्य रूप से यहूदी नहीं हैं। उसका मतलब है कि जैसे खतना चमड़ी को काटना था, जो गंदगी और पाप का प्रतीक था, वे गंदे हैं।

वे दोनों ही पाप में मरे हुए हैं और आध्यात्मिक रूप से अशुद्ध हैं और उन्हें क्षमा की आवश्यकता है। मसीह में परमेश्वर दोनों की ज़रूरतों को पूरा करता है। तुम जो अपने अपराधों में मरे हुए हो, परमेश्वर ने मसीह के साथ मिलकर तुम्हें जीवित कर दिया है।

उनकी ज़रूरतें, क्योंकि वे आध्यात्मिक रूप से मरे हुए थे, परमेश्वर द्वारा उन्हें पुनर्जीवित करके पूरी की जाती हैं। उसने उन्हें अपने साथ जीवित किया। उद्धार के अनुप्रयोग के बारे में बात करने का यह सबसे व्यापक तरीका है।

यहाँ पर व्यवस्थितवादी कहते हैं, मैं इसमें कोई मदद नहीं कर सकता। उद्धार की योजना सृष्टि से पहले बनाई गई थी, पहली सदी में पूरी हुई, लेकिन यह हम पर अभी लागू होती है जब हम विश्वास करते हैं। और परमेश्वर अपने लोगों को उद्धार लागू करता है।

इसके बारे में बात करने का सबसे बड़ा व्यापक तरीका मसीह के साथ एकता है। और यहाँ यह कहा गया है, जो लोग आध्यात्मिक रूप से मरे हुए थे, उन्हें मसीह के साथ जीवित कर दिया गया है। दूसरे शब्दों में, पुनर्जन्म मसीह के साथ एकता में है, ठीक वैसे ही जैसे औचित्य मसीह के साथ एकता में है, गोद लेना मसीह के साथ एकता में है।

मैं रुकता हूँ। उद्धार के अनुप्रयोग का हर पहलू मसीह के साथ एकता का एक उपसमूह है। या दूसरे शब्दों में कहें तो, जब परमेश्वर हमें आध्यात्मिक रूप से अपने पुत्र से जोड़ता है, तो हमें उसके सभी उद्धारक लाभ मिलते हैं।

परमेश्वर ने सृष्टि से पहले ही उनकी योजना बना ली थी; उसने उन्हें पहली सदी में अपने पुत्र में पूरा किया, और यही इस पाठ्यक्रम का विषय है। मसीह के कर्म उद्धार को पूरा करते हैं और उन कर्मों की व्याख्या करने के लिए परमेश्वर द्वारा चित्रित चित्र। लेकिन यहाँ प्रस्तुत अंश में, परमेश्वर बात कर रहा है, प्रभु आध्यात्मिक रूप से मरे हुए, पहले आध्यात्मिक रूप से मरे हुए कुलुस्सियों को मसीह के साथ जीवित करके उद्धार लागू करने के बारे में बात कर रहा है।

उनकी दूसरी समस्या थी उनके शरीर की खतनारहितता, उनकी आत्मिक मलिनता, अशुद्धता और पापमयता। तुम जो अपने अपराधों और अपने शरीर की खतनारहितता में मरे हुए थे, परमेश्वर ने उसके साथ जीवित किया।

पहला उपाय: हमारे सारे अपराध क्षमा कर देना। दूसरा उपाय:

आध्यात्मिक मृत्यु का सामना मसीह के साथ एकता में आध्यात्मिक जीवन और पुनर्जन्म से होता है। आध्यात्मिक खतना रहित होना मसीह में पापों की क्षमा से होता है। खैर, परमेश्वर ऐसा कैसे करता है? ओह, वह बस अपनी उंगलियाँ चटकाता है क्योंकि वह परमेश्वर है।

गलत! परमेश्वर के कई गुण हैं, लेकिन उनमें पवित्रता और न्याय भी शामिल हैं। मैं श्रद्धापूर्वक बोल रहा हूँ। परमेश्वर सिर्फ पाप को क्षमा नहीं कर सकता।

यही कारण है कि पुराने नियम में संपूर्ण बलिदान प्रणाली की स्थापना की गई, जिसमें वेदियाँ, पुजारी, बलिदान और संपूर्ण के बारे में विस्तृत निर्देश शामिल थे। ओह, आस-पास के राष्ट्रों में ये सब चीजें थीं, लेकिन वे जीवित और सच्चे परमेश्वर के लोग नहीं थे। परमेश्वर ने अपने धर्म को हर पहलू, पुजारी के वस्त्र और तैयारियों से लेकर किए जाने वाले सटीक बलिदानों तक, आज्ञा देकर विशिष्ट बनाया।

अविश्वसनीय! लेकिन आप जानते हैं क्या? जैसा कि इब्रानियों में कहा गया है, बैलों और बकरियों के खून ने अंततः पापों का निवारण नहीं किया। परमेश्वर के मेमे का खून जो दुनिया के पापों को दूर करता है, उसने किया। और इसलिए, जब परमेश्वर ने बलिदान के उन पुराने नियम के चित्रों में सुसमाचार प्रस्तुत किया, तो वह स्वयं जानता था कि वह पहले से ही आने वाले मसीह के कार्य को लागू कर रहा था।

और वह काम तो होना ही था। इसलिए, जब परमेश्वर ने कुलुस्सियों को क्षमा किया, तो उसने कहा कि उसने ऐसा किया, मृत्यु, ऋण, ऋण के रिकॉर्ड को रद्द करके हमारे सभी अपराधों को क्षमा किया, ऋण के रिकॉर्ड को रद्द करके, जीभ घुमाने वाला, जो अपनी कानूनी मांगों के साथ हमारे खिलाफ खड़ा था। ऋण का रिकॉर्ड।

यह एक हस्तलिखित दस्तावेज़ है जिसे रखा गया था, और यही क्रूस पर चढ़ाए जाने का कारण था। लेकिन सबसे पहले, यह उस ऋण का रिकॉर्ड है जो अपनी कानूनी मांगों के साथ हमारे खिलाफ खड़ा था। इसका अर्थ यह है कि यह ऐसा है जैसे हममें से प्रत्येक ने दस आज्ञाओं के नीचे अपने नाम के हस्ताक्षर किए हों।

मैं, जो जोन्स, इन आज्ञाओं का पालन करूँगा, मैं, जेन जोन्स, इन आज्ञाओं का पालन करूँगा। हस्ताक्षर करने के बाद, हम खुद को दोषी ठहराते हैं क्योंकि हममें से कोई भी विचार, वचन और कर्म में आज्ञा का पूरी तरह से पालन नहीं करता है। तो, यहाँ हमारे ऋण का रिकॉर्ड है।

आज्ञाएँ हमें एक तरफ से दूसरी तरफ से दोषी ठहराती हैं। भगवान ने क्या किया? उन्होंने उस रिकॉर्ड को रद्द कर दिया। ओह, सिर्फ अपनी उँगलियों से? नहीं, वह ऐसा नहीं कर सकते।

उन्होंने हमारे खिलाफ़ खड़े ऋण के रिकॉर्ड को रद्द कर दिया, जिसमें कानूनी मांगें भी शामिल थीं। कानून कहता है, तुम ऐसा नहीं करोगे, और हम बहुत कुछ करेंगे। और यह कहता है, तुम ऐसा करोगे और हम ऐसा नहीं करेंगे, उस निंदात्मक दस्तावेज़ पर जिस पर हमने अपने नाम के हस्ताक्षर किए हैं, इसका मतलब है एक हस्तलिखित दस्तावेज़, इसे क्रूस पर कील ठोकना।

दंडात्मक प्रतिस्थापन का कितना ज्वलंत चित्र है। मेरे ऋण का अभिलेख यीशु के क्रूस पर कीलों से ठोका गया है। जो क्रूस पर कीलों से ठोका गया है, वही दोषी पक्ष की निंदा, दण्ड और क्रूस पर चढ़ाए जाने का कारण है।

खैर, यीशु कोई दोषी नहीं है। वह हमारा विकल्प है, लेकिन ऐसा कहा जा सकता है। यह सचमुच में उसकी क्रूस पर कीलों से नहीं ठोका गया था।

जो उसके क्रूस पर चढ़ाया गया था, वह यहूदियों का राजा यीशु मसीह था, पिलातुस का यहूदियों से बदला लेने का तरीका। इसलिए सार्वजनिक रूप से, तीन भाषाओं में, वह कह रहा था, यह वही है जो ये मूर्ख लोग अपने राजा के साथ करते हैं। विडंबना यह है कि वह सच बोल रहा था।

उसने ऐसा नहीं सोचा। उसने सोचा कि वह सिर्फ़ एक राजनीतिक चाल के ज़रिए उससे बदला ले रहा है क्योंकि उन्होंने उसे मात दे दी थी। हमारे पास सीज़र के अलावा कोई राजा नहीं है।

ओह बेटा। और अपनी इच्छा के विरुद्ध और अपनी पत्नी के पागल सपनों के कारण जो उसे डराते थे, उसने यीशु को सूली पर चढ़ा दिया। लेकिन उसे अंतिम आलोचना मिली।

कृपया लिखिए, उसने कहा, मैं, नहीं, मैं नहीं हूँ, मैंने जो लिखा है, मैंने लिखा है। गंदे कुत्ते। तो यहाँ, पॉल लाक्षणिक रूप से बोल रहा है।

ऐसा लगता है जैसे कि दोषी पापियों के रूप में हमारे ऋण का बंधन यीशु के क्रूस पर कीलों से जड़ा हुआ है। मैं शायद ही इससे ज़्यादा स्पष्ट भाषा की कल्पना कर सकता हूँ। दंडात्मक प्रतिस्थापन।

परमेश्वर का पुत्र हमारे पापों की सज़ा भुगतता है। वह हमारा कर्ज चुकाता है। वह परमेश्वर की निंदा सहता है जो हमारी है, जिसके हम कानून तोड़ने वाले होने के कारण हकदार हैं।

परमेश्वर ने हमारे सारे अपराधों को माफ कर दिया, क्योंकि उसने हमारे खिलाफ़ जो कर्ज का रिकॉर्ड बनाया था, उसे रद्द कर दिया और अपनी कानूनी मांगों के साथ उसे क्रूस पर चढ़ा दिया। उसने शासकों और अधिकारियों को निहत्था कर दिया और अपने ऊपर या उसके द्वारा उन पर विजय प्राप्त करके उन्हें खुलेआम शर्मिंदा कर दिया।

यह एक ऐसी जगह है जहाँ यूनानी भाषा अस्पष्ट है। श्लोक 14 से 15 तक का बदलाव सहज है। कोई संबंध नहीं है, कोई स्पष्टीकरण नहीं है।

2:14, स्पष्ट रूप से, बड़े अक्षरों में कानूनी दंडात्मक प्रतिस्थापन। वाह। गलातियों 3:13 के साथ, यह सबसे ज्वलंत हो सकता है।

3:13, मसीह ने हमारे लिए अभिशाप बनकर हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाया। यह दंडात्मक प्रतिस्थापन है। वाह।

और इसलिए, यह एक है, लेकिन फिर यह क्राइस्टस विक्टर से संबंध के बारे में कोई स्पष्टीकरण दिए बिना दंडात्मक प्रतिस्थापन के लिए तुरंत चला जाता है। भगवान ने शासकों और अधिकारियों को निरस्त कर दिया। शब्द छीन लिया गया है।

रोमन विजय जुलूस में, जो दुश्मन नष्ट नहीं हुए थे, कभी-कभी उनमें नेता, पराजित सेनाओं के सेनापति भी शामिल होते थे, उन्हें रोम की सड़कों पर परेड कराया जाता था। और, जैसा कि पॉल 2 कुरिन्थियों में कहीं कहते हैं, शायद 3, हमारे पास सुपर बाउल्स में कंफ़ेद्दी है और वर्ल्ड सीरीज़ में इस तरह की चीज़ें, गेम सात की जीत, है न? हमारे पास कंफ़ेद्दी नीचे आती है। उनके पास धूपबत्ती और इत्र नीचे आते थे।

और पॉल ने कुरिन्थियों में कहा, सुसमाचार मृत्यु से मृत्यु तक, वास्तव में जीवन से, और मृत्यु से, वास्तव में जीवन के लिए, और वास्तव में मृत्यु से परमेश्वर की सुगंध है। यदि आप विजयी रोमन योद्धाओं में से एक हैं, तो उस इत्र की खुशबू अच्छी है, है न? अरे यार, जीत। यदि आप पराजित लोगों में से एक हैं, यदि आप भाग्यशाली हैं, तो आपको मृत्युदंड दिया जाएगा।

मुझे नहीं पता कि गुलामी या फांसी, इनमें से कौन बेहतर है। मुझे लगता है कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि गुलामी कैसी होती है। लेकिन आप मुसीबत में हैं।

और वह, वह धूप आपको मौत की तरह महक रही थी, बहुत, बहुत मौत, वास्तव में मौत। समझे? यही तस्वीर है। उन्होंने पराजितों, पराजित सेना और सेनापतियों के एक चयन को शहर, रोम में घुमाया, और बच्चों और महिलाओं ने उनका मज़ाक उड़ाया और हँसे, और लोगों ने अपने महान नायकों पर खुशी मनाई जिन्होंने जश्न मनाया और शायद उन लोगों में से कुछ को सार्वजनिक रूप से मौत के घाट उतार दिया।

रोमन लोग कठोर थे। इस तरह की भाषा का इस्तेमाल यहाँ किया गया है। वे, वे हथियार ज़रूर छीन लेंगे, बेशक, पराजितों से, है न? क्या वह यही कहता है? कम से कम वह यही कहता है।

उसने शासकों और अधिकारियों से उनके हथियार छीन लिए। वैसे, शासक और अधिकारी पौलुस हैं जो दुष्टात्माओं, दुष्ट स्वर्गदूतों के लिए बोल रहे हैं, है न? तो यहाँ एक तस्वीर है; यह, बेशक, पराजित दुष्टात्माओं के विजयी जुलूस में परमेश्वर के नेतृत्व का प्रतीकात्मक चित्रण है जिनके हथियार पूरी तरह से छीन लिए गए हैं। लेकिन कुछ टिप्पणीकारों का मानना है कि छीन लिया गया शब्द शाब्दिक हो सकता है।

इसका मतलब यह है कि रोमन कभी-कभी पराजित सेनाओं को उनके जन्मदिन के सूट में महिलाओं और बच्चों के सामने परेड करवाते थे ताकि उन पर चिल्लाया जा सके। शक्तिशाली योद्धाओं को देखिए। ओह माय।

किसी भी मामले में, कम से कम वे निहत्थे तो हैं। शायद यह उससे भी ज़्यादा शर्मनाक है। परमेश्वर पिता ने शासकों और अधिकारियों को निहत्था कर दिया और उन्हें खुलेआम शर्मिंदा कर दिया।

लड़का, मैं वहाँ नग्नतावादी व्याख्या की ओर झुकाव रखता हूँ, मुझे नहीं पता। उनमें उन पर विजय प्राप्त करके। यह क्राइस्टस विजेता है।

वाह। लेकिन यह कैसे पूरा हुआ? श्लोक 14 हमें बताता है। जब परमेश्वर ने हमारे ऋण के रिकॉर्ड को, यानी हमारे ज़िरोग्राफन, हमारे हस्तलिखित दस्तावेज़ को मृत्युदंड के कारण के रूप में क्रूस पर चढ़ा दिया, जब यीशु ने क्रूस पर हमारे ऋण को पूरी तरह से चुका दिया, तो परमेश्वर ने एक बड़ी जीत हासिल की।

यहाँ ऐसा प्रतीत होता है कि क्राइस्टस विक्टर कानूनी दंडात्मक प्रतिस्थापन के अधीन है। और वैसे, यहाँ न केवल मसीह के व्यक्तिगत कार्य को संयोजित किया गया है, बल्कि उसमें ईश्वरत्व की संपूर्णता शारीरिक रूप से निवास करती है, और फिर हमें आध्यात्मिक मृत्यु और पापपूर्णता की ज़रूरतें और पुनर्जन्म और क्षमा के रूप में लागू किए गए समाधान मिलते हैं, और फिर हम क्रॉस थियोलॉजी, दंडात्मक प्रतिस्थापन और क्राइस्टस विक्टर पर जाते हैं। ध्यान दें कि वे दो चित्र एक दूसरे के ठीक बगल में कैसे हैं।

तो एक बार फिर, समझने के लिए, व्यवस्थित धर्मशास्त्र पवित्रशास्त्र से, इस मामले में, यीशु की उद्धारक उपलब्धि के छह चित्र या विषय उठाता है। लेकिन आइए उन्हें फिर से एक साथ रखें क्योंकि वे इस तरह हैं। दूसरे शब्दों में, प्रभु कह रहे हैं, मेरा बेटा ईश्वर-मनुष्य है।

आपकी दुर्दशा भयानक थी, और आप खुद को बचा नहीं सके। हमने बचा लिया, भगवान। त्रिदेव ने आपकी ज़रूरतों को शानदार तरीके से पूरा किया है, और इसका आधार यह है। हमारे दंडात्मक विकल्प, कानूनी विकल्प के रूप में मसीह की मृत्यु, और हमारे चैंपियन के रूप में मसीह की जीत, साथ-साथ।

दूसरे शब्दों में, परमेश्वर अपनी योजनाओं में, मसीह के कार्य में, और फिर उद्धार के अनुप्रयोग में हमारी सभी ज़रूरतों को पूरा करता है। आपके पास अपराध है। आपका दंडात्मक विकल्प औचित्य का आधार है, जिसमें परमेश्वर कह सकता है, इसलिए, अब उन लोगों के लिए कोई निर्दोष नहीं है जो मसीह यीशु में हैं, जो मसीह के साथ एकता के आधार पर औचित्यपूर्ण हैं।

आप अपने पापों में मरे हुए हैं। मसीह, दूसरा आदम, नई सृष्टि का आरंभकर्ता, और नई सृष्टि का रचयिता, अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान में, अपना जीवन प्रकट करता है ताकि हमें नया जीवन मिले। हम अब मसीह में हैं, पहले से ही, जबकि पहले हम आत्मिक रूप से मरे हुए थे।

भगवान हमारी ज़रूरतों को शानदार तरीके से पूरा करते हैं। मैं यह कह सकता हूँ: मैं कभी भी क्षमाप्रार्थी नहीं रहा, ठीक है? मैं हाल ही तक रहा हूँ, और फिर से मैं अपनी पुस्तक का विज्ञापन करूँगा, पादरी वैन लीस और मैंने पुस्तक लिखी है, *भविष्यवाणी में यीशु, मसीह का जीवन बाइबिल की भविष्यवाणियों को कैसे पूरा करता है*, ताकि अविश्वासी लोगों तक पहुँचा जा सके। इसलिए, यदि आप इसे सुन रहे हैं, और आप अविश्वासी लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, और वे एक पुस्तक पढ़ना चाहते हैं, तो उन्हें इस पुस्तक की ओर इशारा करें, भविष्यवाणी में यीशु।

यह मसीह के जीवन के बारे में बताता है और बताता है कि कैसे उनके जीवन ने इन दो उद्देश्यों के लिए बाइबिल की भविष्यवाणी को पूरा किया। पहला, यह दिखाने के लिए कि बाइबिल एक अलौकिक पुस्तक है। हाँ, यह मनुष्यों द्वारा लिखी गई थी। मनुष्यों के लिए, यह ईश्वर की कृपा है।

अगर उसने बोलने के लिए परमेश्वर का इस्तेमाल किया, तो हम उसका एक भी शब्द नहीं समझ सकते। यह हमारे जैसे लोगों द्वारा, हमारे जैसे लोगों के लिए लिखा गया था, लेकिन यह परमेश्वर की पुस्तक है। आप भविष्यवाणियों को और कैसे समझ सकते हैं? हे भगवान, नियम के बीच 400 साल थे, 400, 500, 600, और 700 साल पहले, परमेश्वर ने अपने प्यारे बेटे के जीवन में घटनाओं की भविष्यवाणी की थी।

और इसलिए, चूँकि यह ईश्वर की पुस्तक है, इसलिए उद्धार पाने के लिए हमें यीशु पर विश्वास करने की आवश्यकता है। वह दुनिया का एकमात्र उद्धारकर्ता है, और हम अभी व्याख्यान के रूप में, ईश्वर द्वारा दिए गए चित्रों द्वारा व्याख्या किए गए उसके उद्धारक कार्यों की खोज कर रहे हैं। मेरे अनुभव में, ग्रेजुएट स्कूल और संडे स्कूल कक्षाओं में इन चीजों को पढ़ाने और प्रचार करने में सबसे कम परिचित चित्र, उदाहरण के लिए, यह है।

मसीह, दूसरे आदम के साथ पुनर्स्थापना की तस्वीर। 1 कुरिन्थियों 15 में, शायद आयत 55 और 57 में, पौलुस इस अभिव्यक्ति का उपयोग करता है: दूसरा मनुष्य, अंतिम आदम। तो, शब्दावली बाइबिल से संबंधित है, यह व्यवस्थित धर्मशास्त्र में आ रही है, इस तरह, दूसरा आदम।

ये अंश पहले और दूसरे आदम के बारे में बताते हैं, उत्पत्ति 1:26-28, 2:7, 2:21-22, पतन में अध्याय 3 का पूरा भाग, लूका 3:38, लूका 4:1-13, रोमियों 5:12-19, 8:29, मसीह कई भाइयों में ज्येष्ठ है, ऐसा वहाँ लिखा है। 1 कुरिन्थियों 15:20-22, 42-49, 2 कुरिन्थियों 4:4-6, कुलुस्सियों

1:15, 1:18, इब्रानियों 2:5-10। इन सभी में, पहले आदम और फिर दूसरे आदम की शिक्षाएँ शामिल हैं।

क्षेत्र, मसीह की उद्धारकारी उपलब्धि का चित्र, यह चित्र, परमेश्वर की विशेष रचना के क्षेत्र से आता है, जिसमें उसकी छवि में प्रथम पुरुष और स्त्री को छोटी सृष्टि पर प्रभुत्व के साथ बनाया गया है। पृष्ठभूमि पुराने नियम की पृष्ठभूमि में आदम, पहला मनुष्य, सृजित, परीक्षा में पड़ा और पतित हुआ शामिल है। परिभाषा के अनुसार, दूसरा आदम मसीह के उद्धारकारी कार्य का नया नियम चित्र है, जिसमें अपने धार्मिकता के एक कार्य, रोमियों 5:18 के माध्यम से, वह मानवजाति की खोई हुई महिमा, सम्मान और पृथ्वी पर शासन को पुनर्स्थापित करता है।

मानवता को दूसरे आदम की आवश्यकता है जो कि पहले आदम का विनाशकारी पतन है जो मानव जाति की दुनिया में पाप और मृत्यु लाया और परमेश्वर की अच्छी रचना में अव्यवस्था फैलाई। आरंभकर्ता, दूसरा आदम अपनी इच्छा से और परमेश्वर की योजना के अनुसार आता है और आदम के गिरे हुए वंशजों को बचाता है क्योंकि परमेश्वर उसके माध्यम से, उद्धारण, कई बेटों और, निश्चित रूप से, बेटियों को महिमा में लाता है, इब्रानियों 2, 10। हम महिमा में बनाए गए थे जैसा कि भजन 8 घोषणा करता है, महिमा और सम्मान के साथ ताज पहनाया गया।

हमने पतन में अपनी महिमा खो दी। मसीह, गौरवशाली पुत्र, अपने अपमान की स्थिति में अपमानजनक पीड़ित सेवक बन जाता है। ओह, लेकिन वह जी उठा है।

उसे फिर से महिमा प्राप्त हुई है, और वह अपने अनुग्रह में, कई पुत्रों को महिमा में लाता है, इब्रानियों 2, 10. मध्यस्थ, मध्यस्थ अंतिम आदम में दूसरा मनुष्य है। यह 1 कुरिन्थियों 15, 45 और 47 है।

मुझे ठीक से याद नहीं कि मैंने पहले क्या कहा था, लेकिन यह सही है, यह इस बार सही है। देहधारी पुत्र और सच्ची छवि, 2 कुरिन्थियों 4:4, कुलुस्सियों 1:15। जब यह मसीह को सच्ची छवि कहता है, तो यह निश्चित रूप से दूसरे आदम की शिक्षा को दर्शाता है क्योंकि आदम को, जैसा कि आप जानते हैं, हव्वा में परमेश्वर की छवि में बनाया गया था।

यही वह पुत्र है जो थोड़ी देर के लिए मांस और लहू का मनुष्य बनकर स्वर्गदूतों से कमतर बना, इब्रानियों 2:14। वह शुरुआत है, मृतकों में से ज्येष्ठ और इस प्रकार कई भाइयों में ज्येष्ठ है, रोमियों 8, 29। अब एक के माध्यम से, उद्धारण, महिमा और सम्मान के साथ ताज पहनाया, इब्रानियों 2 :9, परमेश्वर कई पुत्रों को महिमा में लाएगा, इब्रानियों 2:10।

दूसरे आदम के काम में उसका अवतार शामिल है। उसे दूसरा आदम, एक मनुष्य, एक इंसान बनना है। वह हम में से एक बन जाता है।

दूसरे आदम बनने के लिए यही उनकी पूर्व शर्त है। उनकी सांसारिक सेवकाई, जिसमें प्रलोभन शामिल हैं, लूका 4:1 से 13, और पीड़ा जिसके माध्यम से उन्हें परिपूर्ण बनाया गया, इब्रानियों 2:10, 5:9, 7:28। मुझे उस पर वापस आना चाहिए क्योंकि यह समस्याजनक है, इसमें कोई संदेह नहीं है, खासकर उनकी मृत्यु, रोमियों 5:19, इब्रानियों 2:9, और पुनरुत्थान, 1 कुरिन्थियों

15:20 से 22, 15:45, कुलुस्सियों 1:18, इब्रानियों 2:9। उनका स्वर्गारोहण, इब्रानियों 2:9, और दूसरे आदम के रूप में उनकी वापसी, 1 कुरिन्थियों 15:20 से 23।

इब्रानियों की पुस्तक में तीन बार कहा गया है कि पुत्र को पूर्ण बनाया गया। तीन बार, और उनमें से एक महत्वपूर्ण है। वह इब्रानियों 5 होगा। कोई व्यक्ति इब्रानियों 5:9 को जिस तरह से समझता है, उसी तरह से इब्रानियों 2:10 और 7:28 की व्याख्या करता है।

उनमें से प्रत्येक पुत्र के सिद्ध होने की बात करता है। 5:9 हमें कुछ संदर्भ देता है। 5:7, अपने शरीर के दिनों में, यीशु ने ऊंचे शब्द से पुकारकर और आंसू बहा-बहाकर उससे जो उसे मृत्यु से बचा सकता था, प्रार्थनाएं और बिनती की।

मुझे यह गेथसेमेन जैसा लगता है, हालाँकि मेरे एक भूतपूर्व छात्र ने एक शोध प्रबंध लिखा था जिसमें कहा गया था कि यह क्रूस था। किसी भी मामले में, यह हताशा में मसीह है, है न? और उसकी श्रद्धा के कारण उसकी सुनी गई। पिता ने उसे मृत्यु से नहीं बचाया।

नहीं, पिता ने उसे क्रूस पर मृत्यु से नहीं बचाया, बल्कि उसे मृतकों में से जिलाकर मृत्यु से बचाया। और उसकी श्रद्धा के कारण उसकी सुनी गई। यद्यपि वह पुत्र था, जो कि इब्रानियों में एक ईश्वरीय उपाधि है, जो पहले ही अध्याय 1 में दी गई है, उसने जो कुछ सहा उसके द्वारा आज्ञाकारिता सीखी।

परमेश्वर के पुत्र ने आज्ञाकारिता सीखी। हाँ, स्वर्ग में परमेश्वर के पुत्र ने नहीं। उसे आज्ञाकारिता सीखने की ज़रूरत नहीं थी।

धरती पर ईश्वर के पुत्र को, ईश्वर-मनुष्य के रूप में, आज्ञाकारिता सीखने की आवश्यकता थी। एक बच्चे के रूप में, मंदिर में उस घटना के बाद, जहाँ वह रब्बियों को शिक्षा दे रहा था, यूसुफ और मरियम कुछ हद तक हैरान थे। इसमें कहा गया है कि वह उनके साथ लौटा और उनका आज्ञाकारी था। यह सुंदर है।

उसने ईश्वर-मनुष्य के रूप में आज्ञाकारिता सीखी। क्या यह उसे पाप का दोषी बनाता है? नहीं। इसका मतलब है कि उसने वास्तव में मानव जीवन और विकास का अनुभव किया, और उसने पाप के अलावा प्रत्येक चरण में आज्ञाकारिता सीखी।

हालाँकि वह एक पुत्र था, ईश्वरीय पुत्र, फिर भी उसने दुख सहकर आज्ञाकारिता सीखी, ठीक हमारी तरह। खैर, यह गलत है। उसकी तरह ही, हम भी आज्ञाकारिता सीखते हैं।

कभी-कभी हम सबसे अच्छे सबक कभी नहीं चुनते। हम इसे तब सीखते हैं जब हम कष्ट में होते हैं। हम इसे तब सीखते हैं जब हम अपनी बुद्धि के अंतिम छोर पर होते हैं।

हम इसे तब सीखते हैं जब हम अपने खिंचाव बिंदु, अपने टूटने के बिंदु से परे पहुँच जाते हैं, और परमेश्वर आगे आता है, और परमेश्वर हमारी मदद करता है, और परमेश्वर हमें नम्र बनाता है और हमें ऐसी बातें सिखाता है जो हम अन्यथा कभी नहीं सीख पाते। रोमियों 5, 1 से 5, याकूब 1, और

अन्य स्थानों में बाइबल की यही कठोर शिक्षा है। और सिद्ध होने के बाद, वह उन सभी के लिए अनन्त उद्धार का स्रोत बन गया जो उसकी आज्ञा मानते हैं, परमेश्वर द्वारा मलिकिसिदक की रीति पर महायाजक नियुक्त किया गया।

किस अर्थ में परमेश्वर के पुत्र को परिपूर्ण बनाया गया? खैर, यह बहुत मायने रखता है कि यह दूसरे आदम की नई सृष्टि के विषय के अंतर्गत आता है, एक बात के लिए। अच्छाई। यह एक इंसान के रूप में है कि उसे परिपूर्ण बनाया गया।

इसका उत्तर ठीक उसी संदर्भ में है जिसे हमने अभी पढ़ा। वह इस मामले में सिद्ध हुआ है, हालाँकि वह परमेश्वर और परमेश्वर का पुत्र था, मनुष्य बनने में, वह वास्तव में एक मानव भ्रूण बन गया और फिर एक शिशु, और फिर वयस्कता तक, उसने जो कुछ भी सहा उससे आज्ञाकारिता सीखी। इसलिए, इब्रानियों में इन तीन स्थानों पर उसका सिद्ध होना, और यहाँ फिर से प्रमुख स्थान इब्रानियों के 5:9 का है, और यहाँ जो समझा जाता है, वह 2:10 और 7:28 को दर्शाता है, और सही भी है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि उसे अपने ईश्वरत्व में परिपूर्ण बनाया गया था, वह पहले से ही परिपूर्ण था। इसका अर्थ यह नहीं है कि उसे परिपूर्ण बनाया गया क्योंकि वह पापी था, बल्कि यह है कि उसे क्षमा किया गया क्योंकि वह कभी पापी नहीं था। दूसरी घटना जो बचाती है वह है पाप रहित जीवन, है न? यह आगे आने वाली सभी घटनाओं के लिए एक पूर्व शर्त थी।

वह इस तरह से सिद्ध हुआ, मैं इसे इस तरह से कहता हूँ, अगर जेरूसलम गजट में कोई विज्ञापन होता, हाँ, मैं यहाँ निर्देश के लिए गढ़ रहा हूँ अगर जेरूसलम गजट में ईश्वर और मनुष्य के बीच मध्यस्थ, दुनिया के उद्धारकर्ता, उद्धारक, दूसरे आदम के लिए कोई विज्ञापन होता। ऐसा कहा जाता है, ऐसा कहा जाता है। तीन योग्यताएँ आवश्यक हैं।

नंबर एक, केवल भगवान को ही आवेदन करने की आवश्यकता है। खैर, परिप्रेक्ष्य पूल तीन तक ही सीमित है। नंबर दो, आपको भगवान का अवतार होना चाहिए, भगवान-मनुष्य।

केवल एक ही व्यक्ति योग्य है, लेकिन मुद्दा यह है: दुनिया का दूसरा आदम और उद्धारक बनने के लिए एक तीसरी योग्यता भी है। वह है, एक आवश्यकता, मैं श्रद्धापूर्वक कहता हूँ, नौकरी का अनुभव है। किसी और को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

परमेश्वर ने अपने बेटे को 33 साल की उम्र में क्रूस पर मरने के लिए धरती पर नहीं भेजा था। मरियम को, पवित्र आत्मा द्वारा गर्भ धारण किया गया था। इस बच्चे का जन्म हुआ।

यीशु ईश्वर-शिशु, ईश्वर-लड़का, ईश्वर-मनुष्य है। हमारा उद्धारकर्ता हम में से एक है, और न केवल वह ईश्वर था जो मनुष्य बन गया, बल्कि उसका परीक्षण और परीक्षण किया गया, उसने कष्ट सहें, उसने आज्ञाकारिता सीखी, उसे स्वीकृति मिली, और इस तरह, वह हमारा मध्यस्थ बनने के लिए पूरी तरह से योग्य बन गया। मैं इस तरह की बातों के बारे में बस इतना ही कह सकता हूँ कि यह सिखाएँ कि ईश्वर हमसे कैसे प्यार करता है और मसीह हमसे कैसे प्यार करता है।

यह सब उसके लाभ के लिए नहीं बल्कि हमारे लिए था। हम सही तरीके से क्रूस और खाली कब्र पर ध्यान केंद्रित करते हैं, लेकिन वे अकेले नहीं हैं, और इस दूसरे आदम के विषय में, विशेष रूप से, ध्यान उसके पूरे सांसारिक जीवन पर है, जो उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान की ओर ले जाता है। ऐसे उद्धारकर्ता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

जैसा कि पुराने गीत में कहा गया है, हेलेलुयाह, क्या उद्धारकर्ता है। हमारे अगले व्याख्यान में, हम मसीह को अपने दूसरे के रूप में जारी रखेंगे, वास्तव में, हमें समाप्त करना चाहिए, क्योंकि बहुत कम जाना बाकी है, क्या यह ठीक है? आइए हम मसीह को हमारे दूसरे आदम के साथ यहाँ समाप्त करें। मुझे एहसास नहीं हुआ कि हम समाप्त होने के कितने करीब थे।

वर्तमान और भविष्य के परिणाम इस तथ्य से प्राप्त होते हैं कि मसीह हमारा, दूसरा आदम और हमारा उद्धारक है। दूसरे आदम की सिद्धि ने उसके लोगों के लिए वर्तमान और भविष्य के परिणाम लाए। उसके कार्य के माध्यम से, हम अब न्यायसंगत हैं।

रोमियों 5 में दो आदमों के बीच बहुत ही स्पष्ट अंतर दर्शाया गया है। रोमियों 5:18 और 19 में, पहला आदम हमें गंभीर डच में ले गया, दूसरा आदम हमें बाहर निकालता है। इसलिए, जैसे इस संदर्भ में आदम का एक अपराध, सभी मनुष्यों के लिए निंदा का कारण बना, वैसे ही धार्मिकता का एक कार्य सभी मनुष्यों के लिए जीवन में औचित्य का कारण बनता है।

क्योंकि जैसे एक मनुष्य की अवज्ञा से बहुत से लोग पापी ठहराए गए, वैसे ही एक मनुष्य की आज्ञाकारिता से बहुत से लोग धर्मी ठहराए जाएंगे। ये दो आदम हैं। ये आदम, हमारे पहले पिता, और प्रभु यीशु, हमारे दूसरे आदम हैं।

उसके काम से ही हम धर्मी ठहराए गए हैं। आदम, एक अवज्ञा, एक अवज्ञा और अपराध शब्द है, एक पाप। पाप, अपराध और अवज्ञा का उपयोग रोमियों 5:12 से 19 में समानार्थी रूप से किया गया है।

इसने मानव जाति के लिए निंदा की ओर अग्रसर किया, इसलिए धार्मिकता का एक कार्य उन सभी लोगों के लिए औचित्य और जीवन की ओर ले जाता है जो प्रभु यीशु में विश्वास करते हैं। दूसरा है आदम, धार्मिकता का एक कार्य, जिसका अर्थ है क्रूस पर उसकी मृत्यु। अरे हाँ, उसका पाप रहित जीवन एक आवश्यक शर्त है, और उसका पुनरुत्थान उसके बाद होता है, लेकिन रोमियों 5:18-19 में यहीं ध्यान उसकी मृत्यु पर है।

आदम ने निंदा की, और यीशु ने जीवन और औचित्य, औचित्य और जीवन लाया। आदम ने मृत्यु और निंदा की, और यीशु ने जीवन और औचित्य लाया। वह दूसरा आदम है।

उसके कार्य के द्वारा हम अब धर्मी ठहराए गए हैं, रोमियों 5:18, और परमेश्वर की छवि की आंशिक बहाली का अनुभव करते हैं। इफिसियों 4:24 और 3:10 विश्वासियों के परमेश्वर की छवि में फिर से बनाए जाने की बात करते हैं। कुलुस्सियों 3:10 में यह ज्ञान के अनुसार है, विशेष रूप से मसीह में परमेश्वर को न जानने के अनुसार।

आदम और हव्वा को उनके पतन में प्रभु को जानने के लिए बनाया गया था। वे मसीह में प्रभु को नहीं जानते थे। हम उस छवि के एक पहलू को पुनः प्राप्त करते हैं जिसमें हम प्रभु को जानने, उनकी इच्छा की तलाश करने, उनकी आज्ञा मानने के लिए अपने दिमाग का उपयोग करते हैं।

हमारे पास मन का नवीनीकरण है, रोमियों 12:1 और 2। इफिसियों 4:24 धार्मिकता और सच्ची पवित्रता में परमेश्वर की छवि में नवीनीकरण की बात करता है, पॉल कहते हैं। हमारे माता-पिता निर्दोष नहीं बल्कि धर्मी बनाए गए थे। वे पवित्र परमेश्वर के साथ संगति में थे।

बेशक, पतन में उन्होंने धार्मिकता और पवित्रता खो दी। मसीह में, धार्मिक घोषित होने के बाद, परमेश्वर हमें एक आत्मा देता है और अपने लोगों के जीवन में वास्तविक ईश्वरीयता का निर्माण करना शुरू करता है। यह कार्य इस जीवन में कभी नहीं किया जाता है, लेकिन यह वास्तविक है, यह सच है।

यह छवि की आंशिक बहाली है। हम भगवान द्वारा बनाए गए स्वरूप के अधिक हैं, क्योंकि हम अविश्वासी होने के बजाय विश्वासी हैं। वास्तव में, ईश्वरीय संत हैं।

कई पादरी मरते हुए संत को सांत्वना देने के लिए अस्पताल गए हैं और उनके चेहरे पर आंसू बहते हुए आए हैं क्योंकि उन्हें इस प्रिय व्यक्ति द्वारा सांत्वना मिली थी जो अपने पापों को अपने पूरे जीवन से बेहतर जानती है लेकिन जो यीशु को प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में मानती है और जिसे इस बात का पूरा भरोसा है कि वह कुछ ही मिनटों में कहाँ होगी। परमेश्वर अपने पुत्र, हमारे उद्धारकर्ता, परमेश्वर की सच्ची छवि के माध्यम से कितना महान कार्य करता है, जो अपने जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान के आधार पर, हमें, जैसे परमेश्वर अपनी आत्मा के द्वारा उद्धार लागू करता है, परमेश्वर की छवि में नया होने का कारण बनता है। फिर से, मैं इसे कुलुस्सियों 3:10 में, ज्ञान में, इफिसियों 4:24 में, धार्मिकता और पवित्रता में कहूँगा।

अपने दूसरे आगमन पर ही, मसीह हमें नई पृथ्वी पर अनन्त जीवन के लिए जिलाएगा। 1 कुरिन्थियों 15:20 से 23, जिस समय हम मनुष्यों और स्वर्गदूतों के सामने सार्वजनिक रूप से धर्मी घोषित किए जाएँगे, रोमियों 5:19, पूरी तरह से उसके स्वरूप के सदृश बन जाएँगे, रोमियों 8:29, क्योंकि यीशु बहुत से भाइयों और बहनों में ज्येष्ठ है। 1 कुरिन्थियों 15:42 से 49, हमारे नश्वर शरीर अमर शरीर बन जाएँगे।

हम अभी जो हैं, हमारे पास नश्वर शरीर में अनंत जीवन है; हम अंदर और बाहर दोनों होंगे क्योंकि हमारे शरीर अमर, अविनाशी, शक्तिशाली, गौरवशाली और आध्यात्मिक होंगे। 1 कुरिन्थियों 15, पुनरुत्थान अध्याय में इसका अर्थ निश्चित रूप से अमूर्त नहीं है, लेकिन हमारे शरीर पवित्र आत्मा द्वारा इस तरह नियंत्रित होंगे कि जो अभी विश्वासियों के अंदर है, अनंत जीवन, वह विश्वासियों के बाहर भी होगा। हमारे शरीर नई पृथ्वी पर अनंत जीवन के लिए तैयार किए जाएँगे।

क्यों? क्योंकि, अन्य भूमिकाओं के अलावा, प्रभु यीशु मसीह, महिमा के प्रभु, दूसरे मनुष्य, अंतिम आदम हैं, और उनके कारण, हम पूरी तरह से परमेश्वर की छवि के अनुरूप हो जाएँगे और पुनर्स्थापित महिमा, सम्मान और प्रभुत्व का आनंद लेंगे, जो हमारे पहले माता-पिता के पास पतन

से पहले था। हमारे पास यह और भी अधिक मात्रा में होगा क्योंकि, उनके विपरीत, हम गिरने में असमर्थ होंगे। इब्रानियों 2:9 और 10 मसीह द्वारा कई पुत्रों को महिमा में लाने की बात करते हैं।

हमारे अगले व्याख्यान में, हम मसीह के उद्धारक कार्य पर चर्चा करने वाले छह चित्रों में से अंतिम चित्र पर चर्चा करेंगे, और वह है बलिदानी पुरोहिती भाव।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा मसीह के उद्धारक कार्यों पर उनके शिक्षण में दिया गया है। यह सत्र 17 है, मसीह के कार्य के चित्र, भाग 3, मसीह हमारा विजेता और दूसरा आदम।